पवित्र आत्मा का बपतिस्मा

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए

ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करण: 2022

संपर्क जानकारी

All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: **bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

अन्यथा जबतक इंगित न किया हो धर्म शास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल के पुनःसंपादित पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित है।

आर्थिक साझेदारी

इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता की वजह से सम्भव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता के लिए आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाएं या अपना योगदान कैसे करें यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ देखें। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन

उपदेश: apcwo.org/sermons | **पुस्तकें:** apcwo.org/books | **चर्च ऐप:** apcwo.org/app
बाइबिल कॉलेज: apcbiblecollege.org | **ई-लर्निंग:** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्श: chrysalislife.org | **संगीत:** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: pamfi.org | **ए.पी.सी. वर्ल्ड मिशंस:** apcworldmissions.org

(Hindi - Baptism in the Holy Spirit)

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा

विषयसूची

परिचय

1. वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा 1

2. प्रेरितों के काम का अभिलेख 4

3. सामान्य प्रश्न 14

4. पाने हेतु निर्देश और प्रार्थना 22

5. आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, और आत्मा में चलना 27

परिचय

इस पुस्तक का उद्देश्य पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने और अनुभव करने में आपकी सहायता करना है। आपके विश्वास को बढ़ाने में आपकी सहायता करने हेतु और इस विषय पर आपके मन में जो प्रश्न हैं उन्हें स्पष्ट करने हेतु हम इस विषय का सम्पूर्ण अध्ययन करते हैं। हमारा विश्वास है कि जब आप तत्परता के साथ इसकी विषयवस्तु का समीक्षा करेंगे और उसके बाद प्रार्थना में विश्वास का कदम बढ़ाएंगे, तब आप भी पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाएंगे।

पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का उद्देश्य यीशु मसीह के गवाह बनने हेतु सामर्थ पाना है। हमें सामर्थ के साथ गवाह बनना है। यह सामर्थ प्रत्येक विश्वासी के द्वारा चंगाइयां, छुटकारा, आश्चर्यकर्म, चिन्ह और चमत्कारों को ले आएगी। यह पुस्तक पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने में आपकी सहायता करेगी ताकि आप भी सामर्थ के साथ यीशु मसीह के गवाह बन सकें। यह एक रोमांचक सफर का आरम्भ है।

हम आपको प्रोत्साहन देते हैं कि आप अन्य दो पुस्तकें भी इसके साथ पढ़ें जो विश्वासी के जीवन में पवित्र आत्मा के कार्य एवं सेवकाई के सम्बंध में सच्चाई जानने में आपकी सहायता करेंगीः "**अन्य अन्य भाषाओं में बोलने के अद्भुत लाभ**" और **"पवित्र आत्मा के वरदान।"** ये दोनों पुस्तकें ऑल पीपल्स चर्च से निःशुल्क प्रकाशनों के रूप में उपलब्ध हैं।

तेरह वर्ष का होने से पहले ही, परमेश्वर ने बड़े अनुग्रह के साथ मेरे जीवन को स्पर्श किया और मुझे यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता ग्रहण करने में सहायता की। आने वाले वर्ष, के दौरान मैंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया और अन्य अन्य भाषाओं में बोलने लगा और उस समय से बोल रहा हूं। मैंने अपने मित्रों को प्रभु यीशु के विषय में और पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में बताना आरम्भ किया और कइयों ने उद्धार पाया और

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त किया–हम सभी उस समय मात्र नवयुवक थे। उस समय से, मुझे कइयों को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाते हुए देखने का आनंद प्राप्त हुआ है। आप भी ऐसा कर सकते हैं। अन्य विश्वासियों को पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में बताने हेतु और सामर्थ के इस अद्‌भुत वरदान को प्राप्त करने हेतु उनकी अगुवाई करने के लिए आप इस पुस्तक का उपयोग कर सकते हैं, ताकि वे यीशु मसीह के गवाह बनें।

आपको आशीष मिले!
आशीष रायचूर

1
वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा

यीशु की सेवकाई का परिचय कराते समय, यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले ने यह घोषणा की कि प्रभु यीशु लोगों को पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

मत्ती 3:11,12
[11] मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूं, परंतु जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझ से सामर्थी है; मैं उसकी जूती उठाने के योग्य नहीं हूं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।
[12] उसका सूप उसके हाथ में है, और वह अपना खलिहान अच्छी रीति से साफ करेगा, और अपने गेहूं को तो खत्ते में इकट्ठा करेगा, परंतु भूसी को उस आग में जलाएगा जो बुझने की नहीं।

कृपया गौर करें कि से या के साथ के लिए दिया गया ग्रीक शब्द मूल शब्दयोगी अव्यय *'एन'* है जिसका अनुवाद में, द्वारा, के साथ, का, के लिए, आदि किया जा सकता है। अतः हम **"पवित्र आत्मा से बपतिस्मा"** और **"पवित्र आत्मा में बपतिस्मा"** इन वाक्याशों को स्थानांतरण कर उपयोग कर सकते हैं।

यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले ने यह घोषणा की कि प्रभु यीशु पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। जिस "आग" का यूहन्ना ने वर्णन किया वह *"भूसी को जलाएगी।"* भूसी का उपयोग जो कुछ अधर्मी हैं (भजन 1:4; भजन 35:5), और जो कुछ शरीर का है (यिर्मयाह 23:28)। उसका प्रतिनिधित्व करने हेतु किया गया है। यूहन्ना बपतिस्मा करने वाला जिस बात की ओर संकेत करता है, वह अधर्मी के अंतिम, सनातन दण्ड का भी उल्लेख करता है (प्रकाशितवाक्य 20:10,15)। इस प्रकार "आग" का दोहरा

उल्लेख है, विश्वासी के जीवन में किया जाने वाला शुद्धता का कार्य, और अधर्मी का सनातन न्याय या दण्ड।

अब, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में, हम जानते हैं कि उसकी पृथ्वी की सेवकाई में प्रभु यीशु ने पवित्र आत्मा की सामर्थ से सेवा की (लूका 4:14,18,19; मत्ती 12:28; प्रेरितों के काम 10:38)। उसने पवित्र आत्मा के विषय में सिखाया भी और यह प्रतिज्ञा की कि जिस काम को उसने किया उन्हीं कामों को करने हेतु विश्वासियों को सामर्थ देने के लिए वह *"पिता की प्रतिज्ञा"* को भेजेगा (यूहन्ना 14:12,26; यूहन्ना 15:26; यूहन्ना 16:7-13)। परंतु, उसकी संसारिक सेवकाई के दौरान हम उसे किसी को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देते हुए नहीं देखते। उसके पुनरुत्थान के बाद, उसने शिष्यों से भेंट की और पवित्र आत्मा को पाने हेतु उन पर श्वास फूंकी।

यूहन्ना 20:21,22

[21] यीशु ने फिर उनसे कहा, तुम्हें शान्ति मिले! जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूं।

[22] यह कहकर उसने उन पर फूंका और उनसे कहा, पवित्र आत्मा लो।

यह वही समय था जब चेलों ने नया जन्म पाया। हम यह कहते हैं क्योंकि जब परमेश्वर ने श्वास फूंकी, तब उसने जीवन प्रदान किया, मनुष्य में खुद में से कुछ दिया (उत्पत्ति 2:7)। अतः इस घटना में उन्होंने आत्मा से जन्म लिया। उनकी आत्माओं को जीवन प्राप्त हुआ और वे नई सृष्टि के लोग बन गए। हालांकि प्रभु यीशु ने उसके चेलों को आज्ञा दी थी कि वे जाएं जिस प्रकार पिता ने उसे भेजा था और यद्यपि उन्होंने नया जन्म पाया था, फिर भी प्रभु यीशु ने उन्हें आज्ञा दी कि वे स्वर्ग से सामर्थ पाने हेतु पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए यरूशलेम में रुके रहें।

लूका 24:48,49

[48] तुम इन सब बातों के गवाह हो।

[49] और देखो, जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उण्डेलूंगा और जब तक स्वर्ग से सामर्थ न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो।

प्रेरितों के काम 1:4,5,8

[4] और उसने उनसे मिलकर उन्हें आज्ञा दी, कि यरूशलेम को न छोड़ो, परंतु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो, जिसकी चर्चा तुम मुझ से सुन चुके हो। [5] क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया है, परंतु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।

[8] परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होंगे।

"बपतिस्मा" देने का अर्थ है डुबाना, पानी में डुबोकर निकालना, समाहित करना, जलमग्न करना और अभिभूत करना। उसमें पूर्ण रूप से छा लेने की, घेरने की, डुबाने की कल्पना अंतर्निहित है।

पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का उद्देश्य विश्वासियों को पवित्र आत्मा की सामर्थ प्रदान करना (पहनाना) है, ताकि वे पृथ्वी के छोर तक यीशु के गवाह बन सकें।

2
प्रेरितों के काम का अभिलेख

अब हम प्रेरितों के कामों की पुस्तक में लिखी गई पांच घटनाओं का, तथा उन व्यक्तियों या लोगों के समूह का जिन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त किया, विस्तार के साथ अवलोकन करेंगे। हम समझते हैं कि और भी कई लोग होंगे, परंतु इनके विषय में हमारी शिक्षा और निर्देश के लिए विशिष्ट तौर पर लिखा गया है। हम पुनरावलोकन करेंगे कि पवित्र आत्मा ने हमारे लिए क्या लिखा है और इन वचनों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगे।

1) पिन्तेकुस्त का दिन

प्रेरितों के काम 2:1-4

[1] जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे।
[2] और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उससे सारा घर जहां वे बैठे थे, गूंज गया।
[3] और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दी; और उनमें से हर एक पर आ ठहरीं।
[4] और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे।

पिन्तेकुस्त के दिन जब 120 चेलों ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, तब वहां पर असामान्य घटनाएं हुईं: स्वर्ग से ज़ोरदार हवा के बहने की आवाज हुई, प्रत्येक पर आग की जीभें उतर आई और वे सभी अन्य अन्य भाषाओं में बोलने लगे।

यहां पर कुछ और बातों पर ध्यान दें:

- जब उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया (प्रेरितों के काम 1:5) तब वे *"पवित्र आत्मा से भर भी गए"* (प्रेरितों के काम 2:4)। उन्होंने पवित्र आत्मा को धारण कर लिया और उससे परिपूर्ण हो गए।

- ध्यान दें कि वे अन्य अन्य भाषाओं में बोलने लगे, अर्थात ये उनके अपने स्वर थे जो उनके मुंह से निकल रहे थे। बोलने का काम उन्होंने किया, पवित्र आत्मा ने नहीं। केवल भाषा उन्हें आत्मा द्वारा दी गई।

वह फसह का पर्व था। पिन्तेकुस्त का पर्व प्रथम फल के पर्व के पचास दिनों बाद आता था। यरूशलेम में उन लोगों की भीड़ थी जो इन पर्वों को मनाने के लिए आए थे। लोगों की भीड़ जिन्होंने ऊपरी कोठरी में होने वाली बातों को सुना, उनकी प्रतिक्रियाएं भिन्न भिन्न थीं। कुछ लोग पूर्ण रूप से उलझन में थे। कुछ लोग अचम्भित और विस्मित थे। कुछ लोग विस्मित थे और उलझन में पड़ गए थे। कुछ लोग उपहास कर रहे थे और कुछ लोगों ने कहा कि इन चेलों ने शराब पी रखी है।

प्रेरितों के काम 2:14-18

14 पतरस उन ग्यारह के साथ खड़ा हुआ और ऊंचे शब्द से कहने लगा, "हे यहूदियो, और हे यरूशलेम के सब रहनेवालो, यह जान लो और कान लगाकर मेरी बातें सुनों।
15 जैसा तुम समझ रहे हो, ये नशे में नहीं, क्योंकि अभी तो पहर ही दिन चढ़ा है।
16 परंतु यह वह बात है, जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई है:
17 कि परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगी और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे, और तुम्हारे पुरनिए स्वप्न देखेंगे।
18 वरन् मैं अपने दासों और अपनी दासियों पर भी उन दिनों में अपने आत्मा में से उंडेलूंगा, और वे भविष्यद्वाणी करेंगे।

प्रेरित पतरस पवित्र आत्मा की प्रेरणा से पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता योएल का संदर्भ देता है (योएल 2:28-32) और यह समझाता है कि जो कुछ हो रहा था, वह उस भविष्यद्वाणी की परिपूर्णता थी।

हम एक और बात देखते हैं कि योएल ने यह भी नबूवत की थी कि आत्मा की वर्षा के साथ **भविष्यद्वाणी, स्वप्न** और **दर्शन** भी होंगे। पिन्तेकुस्त के दिन, इनमें से कुछ नहीं हुआ, बल्कि वहां पर **आवाज़, आग** और **जीभें** थीं। और फिर भी, पवित्र आत्मा ने पतरस के द्वारा कहा, *"यह वह बात है जो ... कही गई थी"* (प्रेरितों के काम 2:16) या यह वही बात है जो पूरी हो रही है! यहां पर शिक्षा यह है कि जब पवित्र आत्मा कार्य करता है, तब

प्रकाशन हमेशा ही समान हो ऐसा नहीं है। परंतु फिर भी उसे आत्मा की वर्षा कहा गया है, क्योंकि वही पवित्र आत्मा कार्य कर रहा है!

उस दिन पवित्र आत्मा द्वारा उपदेश प्रचार किए जाने के बाद, तीन हजार लोगों ने उद्धार पाया। जब हम अभिषेक के अधीन होकर प्रचार करते हैं तब हम आत्माओं की ऐसी बड़ी फसल की अपेक्षा कर सकते हैं! ऐसा बारम्बार और बारम्बार हो सकता है!

प्रेरितों के काम 2:38,39

[38] पतरस ने उनसे कहा, मन फिराओ, और तुममें से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। [39] क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर दूर के लोगों के लिए भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।

पश्चाताप के लिए उसकी बुलाहट के भाग के रूप में, पतरस भीड़ को यह बताता है कि न केवल उनके पापों की क्षमा मिल सकती है, बल्कि वे पवित्र आत्मा का वरदान भी पा सकते हैं। वे भी वही पा सकते हैं जो अभी अभी 120 चेलों ने पाया है–वरदान के रूप में। पवित्र आत्मा की वर्षा हमें वरदान या भेंट के रूप में दी गई है। हम उसे केवल विश्वास से ग्रहण करते हैं। हम पवित्र आत्मा के वरदान को कमाते नहीं।

दूसरा महत्वपूर्ण सत्य जिसका पतरस उल्लेख करता है, वह है प्रतिज्ञा या यह संदेश आपके बच्चों के लिए (आने वाली पीढ़ियों के लिए), जो दूर हैं उनके लिए (राष्ट्रों के लिए), उन सभों के लिए जिन्हें हमारा प्रभु परमेश्वर बुलाएगा (विभिन्न जनजातियों के लिए, विभिन्न समयों के लिए) है।

पतरस ने कहा कि यह प्रतिज्ञा उन सभों के लिए है जिन्हें प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा। क्योंकि परमेश्वर आज लोगों को बुला रहा है, प्रेरितों के काम 2:38 में कही गई उद्धार और पवित्र आत्मा के वरदान की प्रतिज्ञा आज भी हमारे लिए है। पवित्र आत्मा की वर्षा या पवित्र आत्मा का बपतिस्मा सम्पूर्ण कलीसियाई युग में सभी विश्वासियों के लिए है।

2) सामरिया के विश्वासी

प्रेरितों के काम के 8वे अध्याय में, विश्वासी सताव के कारण यरूशलेम से बाहर निकलकर कई पड़ोस के देहातों, नगरों, और शहरों में तितर-बितर हो गए थे। फिलिप्पुस, जो कि यरूशलेम की कलीसिया में सेवा कर रहा था, सामरिया शहर में गया और वहां के लोगों को उसने मसीह का प्रचार किया। कइयों ने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया, जिनमें शिमोन नामक एक व्यक्ति था, जो कि एक जादूगर था और जिसने जादूटोना के माध्यम से कई लोगों को अपने वश में कर रखा था। इन नए विश्वासियों ने जल का बपतिस्मा पाया।

प्रेरितों के काम 8:12-19

12 परंतु जब उन्होंने फिलिप्पुस की प्रतीति की जो परमेश्वर के राज्य और यीशु के नाम का सुसमाचार सुनाता था, तो लोग क्या पुरुष, क्या स्त्री बपतिस्मा लेने लगे।
13 तब शमौन ने स्वयं भी प्रतीति की और बपतिस्मा लेकर फिलिप्पुस के साथ रहने लगा और चिन्ह और बड़े बड़े सामर्थ के काम होते देखकर चकित होता था।
14 जब प्रेरितों ने जो यरूशलेम में थे सुना कि सामरियों ने परमेश्वर का वचन मान लिया है तो पतरस और यूहन्ना को उनके पास भेजा।
15 और उन्होंने जाकर उनके लिए प्रार्थना की कि पवित्र आत्मा पाएं।
16 क्योंकि वह अब तक उनमें से किसी पर न उतरा था, उन्होंने तो केवल प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया था।
17 तब उन्होंने उन पर हाथ रखे और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।
18 जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है, तो उनके पास रुपये लाकर कहा,
19 कि यह अधिकार मुझे भी दो, ताकि जिस किसी पर हाथ रखूं, वह पवित्र आत्मा पाए।

यह ध्यान देना दिलचस्प होगा कि जब यरूशलेम के प्रेरितों ने सुना कि सामरिया के लोगों ने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया था, तब उन्होंने क्या किया। पतरस और यूहन्ना विशेष तौर पर उनके लिए यह प्रार्थना करने आए कि उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त हो।

यहां पर यह उल्लेख करना सुरक्षित है कि नए विश्वासियों के लिए पवित्र आत्मा को पाने हेतु (पवित्र आत्मा का बपतिस्मा) प्रार्थना करना "सामान्य

बात" हो गई थी। हम यह भी उल्लेख कर सकते हैं कि जब प्रेरितों ने सामरिया के इन नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना की, तब कुछ अलौकिक घटित हुआ, क्योंकि अलौकिक के अंधकारमय पक्ष में काम करने वाले शिमोन ने उन्हें उस सामर्थ को खरीदने के लिए अब पैसा देने की पेशकश की। यद्यपि वचन में यह नहीं बताया गया है, परंतु पिन्तेकुस्त के दिन जो घटना हुई उसके विषय में जो कुछ लिखा गया है उसके आधार पर, हमारे लिए यह उल्लेख करना सुरक्षित है कि जब सामरिया के विश्वासियों ने पवित्र आत्मा का वरदान पाया, तब वे भी अन्य अन्य भाषाओं में बोलने लगे। यह एक अलौकिक दृश्य था जिसने पूर्व जादूगर, शिमोन को अचम्भित कर दिया।

3) शाऊल जो प्रेरित पौलुस बन गया

प्रेरितों के कामों की पुस्तक में लिखी गई अगली घटना शाऊल की है, ऐसे व्यक्ति की जिसके लिए पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु प्रार्थना की गई, और वह बाद में महान प्रेरित पौलुस बन गया। शाऊल ने दमिश्क के मार्ग पर प्रभु यीशु मसीह से एक सामर्थी भेंट की। वह अंधा हो गया था, और तीन दिनों तक, वह उसी स्थिति में, उपवास करता, प्रार्थना करता और प्रभु यीशु मसीह की बाट जोह रहा था। प्रभु यीशु ने हनन्याह नामक चेले को आज्ञा दी थी कि वह जाकर शाऊल के लिए प्रार्थना करे ताकि उसे दृष्टि प्राप्त हो।

प्रेरितों के काम 9:10-18

[10] दमिश्क में हनन्याह नामक एक चेला था, उससे प्रभु ने दर्शन में कहा, हे हनन्याह! उसने कहा, हां, प्रभु।

[11] तब प्रभु ने उससे कहा, उठकर उस गली में जा जो सीधी कहलाती है, और यहूदा के घर में शाऊल नाम एक तारसी को पूछ ले; क्योंकि देख, वह प्रार्थना कर रहा है।

[12] और उसने हनन्याह नामक एक पुरुष को भीतर आते, और अपने ऊपर हाथ रखते देखा है; ताकि फिर से दृष्टि पाए।

[13] हनन्याह ने उत्तर दिया, हे प्रभु, मैंने इस मनुष्य के विषय में बहुतों से सुना है कि इसने यरूशलेम में तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बड़ी बुराइयां की हैं।

[14] और यहां भी इसको महायाजकों की ओर से अधिकार मिला है, कि जो लोग तेरा नाम लेते हैं, उन सब को बान्ध ले।

[15] परंतु प्रभु ने उससे कहा, तू चला जा; क्योंकि यह, तो अन्यजातियों और राजाओं, और इस्राएलियों के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिए मेरा चुना हुआ पात्र है। [16] और मैं उसे बताऊंगा, कि मेरे नाम के लिए उसे कैसा कैसा दुख उठाना पड़ेगा। [17] तब हनन्याह उठकर उस घर में गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, हे भाई शाऊल, प्रभु अर्थात् यीशु, जो उस रास्ते में जिससे तू आया, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है, कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए। [18] और तुरन्त उसकी आंखों से छिलके से गिरे, और वह देखने लगा और उसने उठकर बपतिस्मा लिया; फिर भोजन करके बल पाया।

हनन्याह ने प्रारम्भ में कुछ आनाकानी करने के बाद जाकर शाऊल के लिए प्रार्थना की, न केवल इसलिए कि वह दृष्टि प्राप्त करे बल्कि इसलिए भी कि वह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो। शाऊल प्रभु यीशु में, तीन दिन पुराना विश्वासी था। उसके जीवन में बड़ी बुलाहट थी, जैसा कि हम प्रभु यीशु ने हनन्याह से जो कहा उससे देख सकते हैं। और फिर भी, उस पर प्रार्थना की गई ताकि उसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त हो।

फिर एक बार यह हमारी समझ में इस बात को जोड़ता है कि प्रारम्भिक कलीसिया में नए विश्वासियों के लिए पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त हो यह प्रार्थना करना एक सामान्य बात थी।

प्रेरितों के काम 9 में शाऊल ने अन्य अन्य भाषाएं बोली या किसी प्रकार का अलौकिक चिन्ह प्रकट किया इसका कोई उल्लेख नहीं है, परंतु हम जानते हैं कि शाऊल (जो बाद में पौलुस बना) ने अन्य अन्य भाषाओं में काफी प्रार्थनाएं की। उसने कुरिन्थुस के विश्वासियों को लिखाः *"मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं कि मैं तुम सब से अधिक अन्य भाषा में बोलता हूं"* (1 कुरिन्थियों 14:18)। हम यह भी जानते हैं कि पौलुस ने आत्मा के सभी वरदानों को प्रकट किया और अन्य विश्वासियों को उनके विषय में सिखाया, क्योंकि उसी ने 1 कुरिन्थियों 12-14 अध्याय लिखे।

4) कुर्नेलियुस और उसका घराना

प्रेरितो के काम की पुस्तक में किसी के पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने का चौथा उदाहरण है कुर्नेलियुस और उसके घराने का। प्रेरित पतरस को परमेश्वर

से यह आज्ञा प्राप्त हुई कि वह जाकर कुर्नेलियुस से मिले, जहां उसने यीशु मसीह के विषय में प्रचार किया। यह पहली बार था जब अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाया गया।

प्रेरितों के काम 10:44-48

44 पतरस ये बातें कह ही रहा था कि पवित्र आत्मा वचन के सब सुननेवालों पर उतर आया।
45 और जितने खतना किए हुए विश्वासी पतरस के साथ आए थे, वे सब चकित हुए कि अन्यजातियों पर भी पवित्र आत्मा का दान उंडेला गया है,
46 क्योंकि उन्होंने उन्हें भांति भांति की भाषा बोलते और परमेश्वर की बड़ाई करते सुना।
47 इस पर पतरस ने कहा, क्या कोई जल की रोक कर सकता है कि ये बपतिस्मा न पाएं जिन्होंने हमारे समान पवित्र आत्मा पाया है?
48 और उसने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया जाए। तब उन्होंने उससे बिनती की कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे।

जब पतरस ने इन लोगों को मसीह का प्रचार किया, तब उन्होंने उस संदेश पर विश्वास किया, और परमेश्वर ने तुरंत उन पर अपनी आत्मा को उण्डेला। ये लोग अन्य अन्य भाषाएं बोलने लगे और परमेश्वर की बड़ाई करने लगे।

प्रेरितों के काम 11:15-18

15 जब मैं बातें करने लगा, तो पवित्र आत्मा उन पर उसी रीति से उतरा, जिस रीति से आरम्भ में हम पर उतारा था।
16 तब मुझे प्रभु का वह वचन स्मरण आया, जो उसने कहा कि यूहन्ना ने तो पानी से बपतिस्मा दिया, परंतु तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।
17 इसलिए जबकि परमेश्वर ने उन्हें भी वही दान दिया, जो हमें प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने से मिला था, तो मैं कौन था जो परमेश्वर को रोक सकता?
18 यह सुनकर वे चुप रहे, और परमेश्वर की बढ़ाई करके कहने लगे, तब तो परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी जीवन के लिए मन फिराव का दान दिया है।

एक समय यरूशलेम में, पतरस ने कुर्नेलियुस के घर में घटित हुई घटनाओं का पुनरावलोकन किया, और उसने स्पष्ट रूप से बताया कि यह पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के समान है जो पिन्तुकुस्त के दिन 120 चेलों ने पाया था।

इसलिए, हमारे पास एक और उदाहरण है जहां लोगों ने प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करने के बाद, पिन्तेकुस्त के दिन के रूप में पवित्र आत्मा में बपत्तिस्मा प्राप्त किया।

5) इफिसुस के विश्वासी

पवित्र आत्मा से बपतिस्मा प्राप्त करने वाले लोगों के विषय में लिखा गया अंतिम उदाहरण प्रेरितों के काम के 19 वे अध्याय में, इफिसुस में पाया जाता है। यहां पर प्रेरित पौलुस की भेंट कुछ लोगों के साथ हआ जिन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले के द्वारा जल का बपतिस्मा पाया था। यीशु की सेवकाई के बाद से क्या हुई इस विषय का ज्ञान इन लोगों को नहीं था।

प्रेरितों के काम 19:1-7

[1] और जब अपुल्लोस कुरिन्थुस में था, तो पौलुस ऊपर के सारे देश से होकर इफिसुस में आया, और कई चेलों को देखकर,

[2] उनसे कहा, क्या तुमने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया? उन्होंने उससे कहा, हमने तो पवित्र आत्मा की चर्चा भी नहीं सुनी।

[3] उसने उससे कहा, तो फिर तुमने किसका बपतिस्मा लिया? उन्होंने कहा, यूहन्ना का बपतिस्मा।

[4] पौलुस ने कहा, यूहन्ना ने यह कहकर मन फिराव का बपतिस्मा दिया, कि जो मेरे बाद आनेवाला है, उस पर अर्थात् यीशु पर विश्वास करना।

[5] यह सुनकर उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया।

[6] और जब पौलुस ने उन पर हाथ रखे, तो उन पर पवित्र आत्मा उतरा, और वे भिन्न-भिन्न भाषा बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे।

[7] ये सब लगभग बारह पुरुष थे।

परमेश्वर के प्रारम्भिक प्रश्न के विषय में विचार करना दिलचस्प हैः *"क्या तुमने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया?"* (प्रेरितों के काम 19:2अ) यह फिर एक बार दर्शाता है कि नए विश्वासियों के यीशु मसीह में विश्वास करने के बाद, उनके लिए यह अपेक्षा करना सामान्य बात थी कि पवित्र आत्मा पाने के लिए उनके लिए प्रार्थना की जाए, ठीक वैसे ही जैसे पौलुस ने इन लोगों के लिए प्रेरितों के काम 19 में किया। पौलुस ने उन्हें यीशु मसीह का प्रचार किया, जल का बपतिस्मा दिया, और उसके

बाद पवित्र आत्मा पाने हेतु उनके लिए प्रार्थना की, अर्थात, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु। फिर से एक बार, पहले के समान, हम देखते हैं कि पवित्र आत्मा की वर्षा या पवित्र आत्मा में बपतिस्मा के साथ अलौकिक प्रकाशन हैं–अन्य अन्य भाषाओं में प्रार्थना करना, और इस उदाहरण में, उन्होंने भविष्यद्वाणी भी की।

लिखी गई पांच घटनाओं का सारांश

लिखी गई **पांच घटनाओं में से तीन में,** यह स्पष्ट है कि जिन लोगों ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, उन्होंने **अन्य अन्य भाषाएं बोली**। अन्य दो उदाहरणों में, सामरिया में, हम यह कह सकते हैं कि कुछ अलौकिक घटित हुआ, और उसके बाद शाऊल के उदाहरण में, हम जानते हैं कि उसने अन्य अन्य भाषाएं बोली। अतः यह कहना सुरक्षित है कि लिखे गए सभी पांच उदाहरणों में कुछ अलौकिक घटित हुआ, और पांच में से चार घटनाओं में हम यह कह सकते हैं कि जब उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, तब उन्होंने निश्चित रूप से अन्य अन्य भाषाएं बोली।

पांच में से तीन घटनाओं में उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया और बाद में जल का बपतिस्मा लिया। पांच में से दो में, अर्थात सामरिया और इफिसुस में, उन्होंने जल का बपतिस्मा पाया और उसके बाद पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया। अतः यह कहना सुरक्षित है कि परमेश्वर दोनों तरह से काम कर सकता है, और इस प्रक्रिया में कोई "निश्चित" चरण नहीं हैं।

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने का उद्देश्य है गवाह बनने हेतु सामर्थ पाना। सामर्थ का पाना अलौकिक प्रकाशन द्वारा प्रगट होता है, अर्थात अन्य अन्य भाषाओं में बोलना जो हम जानते हैं कि आत्मा का वरदान या आत्मा का प्रकाश है (1 कुरिन्थियों 12:7-11)। अतः यहां पर हम कुछ अनुमान प्रस्तुत करते हैं:

- जब हम पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाते हैं तब हम **सामर्थ और वरदान** दोनों पाते हैं। परमेश्वर का आत्मा विश्वासी को सामर्थ प्रदान करता है या सामर्थ का पहरावा पहनाता है और साथ ही इस क्षण से

सभी नौ वरदानों को विश्वासी के लिए सशक्त रूप से उपलब्ध कराता है। इस बात को ध्यान में रखें कि ये आत्मा के वरदान हैं, व्यक्ति के वरदान नहीं। अतः पवित्र आत्मा इन वरदानों का स्वामित्व रखता है और विश्वासी के द्वारा उन्हें संचालित करता है। इन वरदानों को उचित रीति से प्रगट करने हेतु विश्वासी को पवित्र आत्मा के साथ सहयोग करते हुए कार्य करना है।

- जो सामर्थ हम पाते हैं वह पवित्र आत्मा के **वरदानों के प्रदर्शन के माध्यम से** व्यक्त होती है, परिणामस्वरूप, चिन्ह, चमत्कार, आश्चर्यकर्म, चंगाइयां और परमेश्वर के अलौकिक काम होते हैं।

- **पहला वरदान** जो सामान्य तौर पर देखा जाता है वह है अन्य अन्य भाषाओं में बोलना। परमेश्वर जानबूझकर कुछ कार्य करता है। अतः हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि अन्य अन्य भाषाओं में बोलने का यह वरदान एक कुंजी है जो हमें आत्मा के अन्य वरदानों में आगे बढ़ने में सहायता करती है।

3
सामान्य प्रश्न

इस अध्याय में हम कुछ सामान्य प्रश्नों के उत्तर तलाशते हैं जो विश्वासी पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के सम्बंध में पूछते हैं।

अधिनिवास और बपतिस्मा–इनके मध्य क्या फर्क है?

जब व्यक्ति प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करता है, तब वह नया जन्म पाता है। हमने आत्मा से जन्म पाया है। जैसा कि गलातियों 4:6 में बताया गया है, *"और तुम जो पुत्र हो, इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है।"* हम पहले ही पवित्र आत्मा का मंदिर हैं और परमेश्वर का आत्मा हममें (हमारे अंदर) वास करता है। अतः, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु विश्वासी को प्रार्थना करवाने की आवश्यकता क्यों है? कुछ लोग इस प्रकार विवाद करते हैंः "पवित्र आत्मा आंशिक रूप से नहीं आता क्योंकि वह व्यक्ति है। यदि वह आपके पास है, आपके पास उसका सर्वस्व है।"

आत्मिक और स्वाभाविक में समानताएं हैं, उसी तरह भेद भी हैं। जिस तरह से हम स्वाभाविक रूप से बातों को देखते हैं, उससे आत्मिक बातें अक्सर भिन्न होती हैं। यह सच है कि स्वाभाविक जगत में, जब आप व्यक्ति की ओर भौतिक रूप से देखते हैं, तब आप उस व्यक्ति को पूर्ण रूप से देखते हैं। ऐसा नहीं है कि उस व्यक्ति ने खुद का एक भाग भौतिक तौर पर कहीं और रख छोड़ा है। परंतु, जब हम पवित्र आत्मा के व्यक्तित्व के विषय में विचार करते हैं तब एक बड़ा अंतर होता है। पवित्र आत्मा व्यक्ति है, परंतु हमारे समान नहीं है। वह असीमित है। **वह आ सकता है और आते रहता है, क्योंकि वह असीमित है।** हम उसको "और" पा सकते हैं, क्योंकि वह असीम है और हमारे जीवनों में हम उसका कितना अनुभव कर सकते हैं इसका कोई अंत नही है।

पवित्र शास्त्र में हम देखते हैं कि पवित्र आत्मा के विभिन्न पैमाने हैं। हम देखते हैं कि मूसा पर जो आत्मा था उसे अन्य सत्तर लोगों के बीच बांट दिया गया (गिनती 11:16-30)। हम यहोशू को देखते हैं जिसके पास जो मूसा के पास था उसका एक अंश था–*"बुद्धि का आत्मा"* (व्यवस्थाविवरण 34:9)। एलिय्याह के स्वर्ग पर उठा लिए जाने के बाद, हम एलिशा पर आत्मा का दुगुना हिस्सा उतरते हुए देखते हैं (2 राजा 2:9,10)। यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले ने घोषणा की कि यीशु पर बेपरिमाण आत्मा था (यूहन्ना 3:34)।

विश्वासी के जीवन में आत्मा के अधिनिवासी कार्य और आत्मा के बपतिस्मे के मध्य जो अंतर है, उसे इन दो संदर्भों का अवलोकन कर समझा जा सकता हैः

यूहन्ना 4:13,14

[13] यीशु ने उसको उत्तर दिया, जो कोई यह जल पीएगा, वह फिर प्यासा होगा।
[14] परंतु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, वह फिर अनन्तकाल तक प्यासा न होगा; वरन जो जल मैं उसे दूंगा, वह उसमें एक सोता बन जाएगा जो अनंत जीवन के लिए उमड़ता रहेगा।

यूहन्ना 7:37-39

[37] फिर पर्व के अंतिम दिन, जो मुख्य दिन है, यीशु खड़ा हुआ और उसने पुकार कर कहा, यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आकर पीए।
[38] जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेगी।
[39] उसने यह वचन उस आत्मा के विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करनेवाले पाने पर थे; क्योंकि आत्मा अब तक न उतरा था, क्योंकि यीशु अब तक अपनी महिमा को न पहुंचा था।

यूहन्ना 4 में प्रभु यीशु ने एक सोते के विषय में कहा, यूहन्ना 7 में, उसने नदी के विषय में कहा। सोता विश्वासी के अंदर है, नदी विश्वासी के बाहर बहती है। अंदर जो सोता है वह विश्वासी के लिए अनंत जीवन लाता है। विश्वासी में से बाहर बहने वाली नदी पवित्र आत्मा की उपस्थिति और सामर्थ है जो विश्वासी के द्वारा अन्य लोगों को उपलब्ध की गई है। जल वही है, परंतु उसके भिन्न पैमाने और भिन्न उद्देश्य हैं। अतः वही आत्मा कार्य करता है, परंतु पैमाने और उद्देश्य में अंतर है।

1 कुरिन्थियों 12:13 के विषय में क्या?

1 कुरिन्थियों 12:13

क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास, क्या स्वंतत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।

कभी कभी लोग यह बताने के लिए कि हम सबने पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लिया है 1 कुरिन्थियों 12:13 का उपयोग करते हैं। **एक ही बपतिस्मा** है जो बचाता है (इफिसियों 4:5), परंतु विश्वासी को **कई बपतिस्मों** के विषय में सिखाने की ज़रूरत है और जिसे विश्वासी अनुभव करता है (इब्रानियों 6:2)।

एक बपतिस्मा जो उद्धार करता है, वह **बपतिस्मा एक देह में है,** जिसका उल्लेख 1 कुरिन्थियों 12:13 में किया गया है। **हमने पवित्र आत्मा के द्वारा मसीह की देह में बपतिस्मा पाया है।** ऐसा उद्धार के समय होता है।

उसके बाद **जल का बपतिस्मा** है, जहां पर हम जल में बपतिस्मा पाते हैं। हम दूसरे विश्वासी द्वारा, जल में, बपतिस्मा पाते हैं। विश्वासी यीशु के नाम में (यीशु के अधिकार के द्वारा), पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में जल का बपतिस्मा लेता है (मत्ती 28:18-20)। जल का बपतिस्मा मुख्य रूप से हमारे यीशु मसीह के चेले होने के हमारे चुनाव की और उसके नाम के साथ हमारी तादात्म्यता की घोषणा है। जल का बपतिस्मा उद्धार के बाद किसी भी समय होता है।

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा भी है। हमें यीशु द्वारा, पवित्र आत्मा में बपतिस्मा मिला है (मत्ती 3:11; प्रेरितों के काम 1:5,8)। यह बपतिस्मा सामर्थ और शुद्धीकरण के लिए है। पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, जो कि इस पुस्तक का विाय है, उद्धार के बाद किसी भी समय होता है या उद्धार के समय भी हो सकता है, जैसा कि प्रेरितों के काम 10 में कुर्नेलियुस के घर में हुआ।

अतः इन तीन बपतिस्मों में, हम यह भेद देखते हैं कि बपतिस्मा **कौन करता है,** हमारा बपतिस्मा **किसमें होता है** और बपतिस्मा का **उद्देश्य**। इस प्रकार 1 कुरिन्थियों 12:13 मसीह की देह में बपतिस्मा पाने का उल्लेख करता है और पवित्र आत्मा में बपतिस्मा पाने से भिन्न है।

अन्य अन्य भाषाएं क्यों?

यह सोचना अत्यंत दिलचस्प है कि परमेश्वर ने अज्ञात भाषाओं में बोलने जैसे आत्मा के वरदान की रचना की, जहां पर हम आत्मा के द्वारा मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलते हैं (1 कुरिन्थियों 13:1)। और यह सोचना भी दिलचस्प है कि परमेश्वर इसका उपयोग पहले वरदान के रूप में करता है जो पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने पर विश्वासी के द्वारा व्यक्त होता है। परमेश्वर ऐसा क्यों करेगा? कइयों के लिए, अन्य भाषाओं में बोलना बुद्धिमान व्यक्ति की अज्ञान बुद्धि को आपत्तिजनक लगता है।

परंतु इसी कारण से हमें अन्य अन्य भाषाओं से बोलने को अपनाने की ज़रूरत है। हम परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं। हम उसकी बुद्धि पर भरोसा रखते हैं। हम अपनी समझ से परे उस पर भरोसा रखते हैं। इसलिए हम उस तरीके को अपनाते हैं जिसमें वह कार्य करता है और उसके साथ आगे चलते हैं। अन्य सभी वरदानों को प्रगट करने हेतु उसी विश्वास की और हमारी अपनी समझ से बाहर कदम निकालने की इच्छा की, उस पर भरोसा रखने की आवश्यकता है। तभी उसकी सामर्थ उन वरदानों के द्वारा प्रगट होती है।

क्या अन्य अन्य भाषाओं में बोलना पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का चिन्ह है?

अन्य अन्य भाषाओं में बोलने के लाभों के विषय में अधिक जानकारी पाने हेतु, कृपया एपीसी प्रकाशन की निःशुल्क पुस्तकः **"अन्य अन्य भाषाओं में बोलने के अद्भुत लाभ"** देखें जो कि **apcwo.org/books** इस पते पर निःशुल्क डाऊनलोड के लिए उपलब्ध है।

प्रेरितों के काम की पुस्तक में लिखे गए पांच उदाहरणों के आधार पर, इस प्रश्न का उत्तर है "हां।" लोगों ने जब पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, तब उन्होंने अन्य अन्य भाषाओं में बातें की। यह सामान्य बात थी और यही अपेक्षित था।

दूसरी ओर, हम जानते हैं कि आत्मा के नौ वरदान हैं। अतः एक आम प्रश्न जो प्रस्तावित किया जाता है वह है जब विश्वासी आत्मा का बपतिस्मा पाता है, तब यदि पवित्र आत्मा अन्य अन्य भाषाओं में बोलने के वरदान को छोड़, इन अन्य वरदानों में से किसी भी वरदान को प्रगट करने का चुनाव करता है, तो क्या होगा। हम इसके लिए पूर्णतया तैयार हैं और समझते हैं कि यह निश्चित रूप से सम्भव है।

क्या विश्वासी के लिए पवित्र आत्मा में बपतिस्मा पाना, और अन्य अन्य भाषाओं के बिना आत्मा के अन्य वरदानों को प्रगट करना सम्भव है? निश्चित रूप से, हां।

परंतु, हमारा लक्ष्य विश्वासी को आत्मा के सभी नौ वरदानों में सक्रिय और कार्यरत देखना है, अतः जब विश्वासी पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु प्रार्थना करते हैं, तब हम हमेशा विश्वासियों को प्रोत्साहन देते हैं कि अन्य अन्य भाषाओं में बोलने की इच्छा रखें और अपेक्षा करें। और जल्द ही, वे अन्य अन्य भाषाओं में बोलना आरम्भ करते हैं। और हम वहीं पर नहीं रुक जाते। हम उन्हें प्रोत्साहन देते हैं कि वे आत्मा के सभी नौ वरदानों में कार्य करने की बड़ी इच्छा रखें।

हम सभी विश्वासियों को प्रोत्साहन दे सकते हैं कि वे अन्य अन्य भाषाओं में बोलें क्योंकि प्रभु यीशु मसीह ने मरकुस 16:17,18 में कहा कि सभी विश्वासी ऐसा करेंगेः *"और विश्वास करनेवालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, सांपों को उठा लेंगे, और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जाएं तौभी उनकी कुछ हानि न होगी। वे बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जाएंगे।"*

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु क्या मुझे "रुकने" की ज़रूरत है?

नहीं। हमें "रुकने" की ज़रूरत नहीं है। जी हां, हमें विश्वास के साथ और अपेक्षा के साथ प्रार्थना करना है। परंतु हमें कई दिनों तक "रुकने" की ज़रूरत नहीं है। केवल एक ही कारण से 120 चेलों को यरूशलेम में रुकना पड़ा, वह कारण था पिन्तेकुस्त के दिन के लिए रुकना, क्योंकि परमेश्वर ने इस दिन अपना आत्मा उण्डेलने का निर्णय लिया था। इसके बाद वाले उदाहरणों में हम देखते हैं कि लोगों के लिए प्रार्थना की गई और उन्होंने प्रार्थना समय के दौरान पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया।

क्या पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु मुझ पर हाथ रखे जाने की ज़रूरत है?

इसकी आवश्यकता नहीं है। यह स्मरण रखें कि प्रभु यीशु मसीह है जो हमें पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देता है। अतः वह किसी और का उपयोग आपके साथ प्रार्थना करने हेतु कर सकता है या आप पर किसी और के हाथ न रखे जाने पर और किसी और से प्रार्थना न करवाने के बाद भी वह आपके लिए ऐसा कर सकता है। आप व्यक्तिगत रीति से प्रार्थना कर सकते हैं और विश्वास से, किसी और के द्वारा आपके लिए प्रार्थना किए बिना ही पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पा सकते हैं। पिन्तेकुस्त के दिन और कुर्नेलियुस के घर में, पवित्र आत्मा लोगों पर उतर आया, उन पर बिना किसी के हाथ रखते हुए।

पवित्र आत्मा के बपस्तिमे के लिए प्रार्थना करने से पहले क्या मुझे जल का बपतिस्मा पाना ज़रूरी है?

यह आवश्यक नहीं है। जैसा कि हमने पहले ही शाऊल और कुर्नेलियस के घर में देखा है, लोगों ने पहले पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया और बाद में जल का बपतिस्मा लिया। सामरिया के विश्वासियों के उदाहरण में और इफिसुस में, उन्होंने पहले जल का बपतिस्मा लिया, और बाद में आत्मा में बपतिस्मा पाया। अतः परमेश्वर दोनों तरह से काम कर सकता है।

क्या अन्य अन्य भाषाओं का अर्थ हमेशा ही समझा जाना चाहिए?

प्रेरितों के काम 2 में पिन्तेकुस्त के दिन, हम जानते हैं कि लोगों ने उन भाषाओं में परमेश्वर के अद्‌भुत कामों का बयान सुना, जिन भाषाओं से वे परिचित थे। इसमें इस सम्भावना को नहीं छोड़ा जा सकता कि 120 विश्वासी, जिन्होंने उस दिन पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, उनमें से कुछ लोगों ने अन्य भाषाओं में बात की होगी जो समझी नहीं गई, जिसमें पृथ्वी की और स्वर्गीय भाषाएं समाविष्ट होगी। यह कहना गलत होगा कि सभी 120 वहां उपस्थित लोगों की भाषाओं में बोल रहे थे। पवित्र शास्त्र यह बताता है कि वहां उपस्थित लोगों में से, प्रत्येक ने उनकी भाषाओं में उन्हें बोलते हुए सुना। अतः जब 120 लोग अन्य अन्य भाषाओं में बोल रहे थे, तब उसमें अन्य अज्ञात भाषाओं का उपयोग किए जाने की सम्भावना को खारिज़ नहीं किया जा सकता।

प्रेरितों के काम 2:7-11

[7] और वे सब चकित और अचम्भित होकर कहने लगे, देखो, ये जो बोल रहे हैं, क्या सब गलीली नहीं?

[8] तो फिर क्यों हममें से हर एक अपनी अपनी जन्मभूमि की भाषा सुनता है?

[9] हम जो पारथी और मेदी और एलामी लोग और मिसुपुतामिया और यहूदिया और कप्पदूकिया और पुन्तुस और आसिया,

[10] और फ्रूगिया और पमफूलिया और मिसर और लिबूआ देश जो कुरेने के आस पास है, इन सब देशों के रहनेवाले और रोमी प्रवासी, क्या यहूदी, क्या यहूदी मत धारण करनेवाले, क्रेती और अरबी भी हैं।

[11] परंतु अपनी अपनी भाषा में उनसे परमेश्वर के बड़े बड़े कामों की चर्चा सुनते हैं।

पवित्र शास्त्र यह नहीं बताता कि प्रेरितों के काम 10 और प्रेरितों के काम 19 में, जब लोगों ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, तब सभी ने उन भाषाओं में बातें की जिन्हें वहां उपस्थित लोगों ने समझा।

दूसरी ओर, पवित्र शास्त्र स्पष्ट रूप से सिखाता है कि जब हम अन्य अन्य भाषाओं में बोलते हैं तब हम मनुष्यों की भाषाओं में बोल सकते हैं और स्वर्गदूतों की भाषाओं में भी बोल सकते हैं (1 कुरिन्थियों 13:1)। अतः इससे यह निश्चित रूप से सूचित होगा कि हम अन्य अन्य भाषाओं में बोल सकते हैं जिन्हें कोई नहीं समझेगा। अतः, प्रेरित पौलुस स्पष्ट रूप से बताता है कि जब हम अन्य अन्य भाषाओं में बोलते हैं तब कोई उसे समझ नहीं सकता।

1 कुरिन्थियों 13:1
यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलूं, और प्रेम न रखूं, तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझनाती हुई झांझ हूं।

1 कुरिन्थियों 14:2
क्योंकि जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह मनुष्यों से नहीं, परंतु परमेश्वर से बातें करता है; इसलिए कि उसकी कोई नहीं समझता; क्योंकि वह भेद की बातें आत्मा में होकर बोलता है।

हमें यह समझना है कि जैसा कि पवित्र शास्त्र में देखा गया है, अन्य अन्य भाषाओं में बोलने/प्रार्थना करने के कई उपयोग हैं। इनमें इन बातों का समावेश हैः

1) **व्यक्तिगत प्रार्थना, मध्यस्थी और उन्नति के लिए अन्य अन्य भाषाएंः** यह अन्य अन्य भाषाएं बोलने का यह सबसे सामान्य उपयोग है, जहां पर विश्वासी अन्य अन्य भाषाओं में बोलता/प्रार्थना करता है जिसका परिणाम भीतरी मनुष्यत्व में उन्नति में हो, परमेश्वर के साथ सीधे बात करता है, और दूसरों के लिए मध्यस्थी करता है (1 कुरिन्थियों 14:2,4; रोमियों 8:26,27)।

2) **अर्थ समझाने के वरदान के साथ अन्य अन्य भाषाएंः** यह तब होता है जब सभा में विश्वासी को अन्य अन्य भाषाओं में संदेश देने की और उसके बाद अर्थ बताने की अगुवाई होती है, ताकि सब उपस्थित लोग समझ सकें और उन्नति पा सकें (1 कुरिन्थियों 14:5,13)।

3) **अविश्वासी के लिए चिन्ह के रूप में अन्य अन्य भाषाएंः** यहां पर विश्वासी को आत्मा द्वारा ऐसी भाषाा बोलने की सामर्थ मिलती है जिसे उपस्थित अविश्वासी समझ सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वह परमेश्वर के विाय में सत्य सुन सकता है (1 कुरिन्थियों 14:22; प्रेरितों के काम 2:7-11)।

अतः, इस प्रश्न "क्या अन्य अन्य भाषाओं का अर्थ हमेशा ही समझा जाना चाहिए?" का उत्तर है, "नहीं, यह आवश्यक नहीं कि अन्य अन्य भाषाओं का अर्थ समझा जाए।"

4
पवित्र आत्मा पाने हेतु निर्देश और प्रार्थना

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाना मात्र परमेश्वर का कार्य है। हम उसका निर्माण नहीं कर सकते या लोगों को जबरन उसमें दाखिल नहीं कर सकते। हम केवल लोगों को यह सिखा सकते हैं कि परमेश्वर का वचन क्या कहना चाहता है, हम कुछ व्यवहारिक निर्देशों को दे सकते हैं और उसके बाद प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर हमेशा अपने वचनों के प्रति विश्वासयोग्य है और अपने लोगों को बपतिस्मा देगा। वह अपना आत्मा उन लोगों पर उण्डेलता है जो प्यासे हैं (यशायाह 44:3)।

यीशु पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देने वाला है। अतः उसकी ओर देखें। बाइबल कहती है कि यीशु हमें पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देगा (मत्ती 3:11)। इसलिए, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने हेतु व्यक्ति को पासबान या परमेश्वर का जन होने की आवश्यकता नहीं है! हम केवल यीशु से बिनती कर सकते हैं कि वह हमें बपतिस्मा दे–उसका आत्मा हम पर उण्डेले। जब वह अपना आत्मा उण्डेलेगा, तब स्वर्गीय भाषाएं प्रगट होगी। प्रेरितों के कामों की पुस्तक में यही हुआ–जितनी बार लोगों ने पवित्र आत्मा का दान पाया, उतनी बार कुछ अलौकिक घटित हुआ। वे अन्य अन्य भाषाओं में परमेश्वर की आराधना करने लगे।

आप विश्वासी हैं और आप अन्य अन्य भाषाओं में बोल सकते हैं

स्मरण रखें विश्वासी के रूप में आप अन्य अन्य भाषाओं में बोल सकते हैं। प्रभु यीशु ने मरकुस 16:17,18 में कहा कि आप ऐसा कर सकते हैं: *"और विश्वास करनेवालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, सांपों को उठा लेंगे, और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जाएं तौभी उनकी कुछ हानि न होगी। वे बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जाएंगे।"*

विश्वास का कदम बढ़ाएं

हम विश्वास से आत्मा की प्रतिज्ञा पा सकते हैं। यह पवित्र आत्मा का वरदान है और इस प्रतिज्ञा को प्राप्त करने हेतु आपको केवल सरल विश्वास की ज़रूरत है।

गलातियों 3:13,14

13 मसीह ने जो हमारे लिए श्रापित बना, हमें मोल लेकर व्यवस्था के श्राप से छुड़ाया क्योंकि लिखा है, जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह श्रापित है।

14 यह इसलिए हुआ, कि इब्राहीम की आशीष मसीह यीशु में अन्यजातियों तक पहुंचे, और हम विश्वास के द्वारा उस आत्मा को प्राप्त करें, जिसकी प्रतिज्ञा हुई है।

सब प्रकार के भय को त्याग दें

आपको कोई अन्य आत्मा मिलेगी ऐसा भय न रखें। जब आप प्रार्थना करते हैं और प्रभु यीशु मसीह से बिनती करते हैं कि वह आपको पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दे, तो बिल्कुल ऐसा ही होगा। प्रभु यीशु ने लूका 11:11-13 में कहा: *"तुममें से ऐसा कौन पिता होगा कि जब उसका पुत्र उसे रोटी मांगे, तो उसे पत्थर दे; या मछली मांगे, तो मछली के बदले उसे सांप दे? या अण्डा मांगे तो उसे बिच्छू दे? इसलिए जब तुम बुरे होकर अपने लड़केबालों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा?"*

निश्चिंत रहें, आप परमेश्वर को कुछ करने हेतु विश्वास दिलाने का प्रयास नहीं कर रहे हैं

आपको पवित्र आत्मा का वरदान पाने हेतु परमेश्वर से याचना करने की, उसका हाथ मरोड़ने की, लम्बे घंटों तक इंतज़ार करने की, बिनती करने, रोने की, बहुत आंसू बहाने की ज़रूरत नहीं है। परमेश्वर आपके जीवन में उसकी प्रतिज्ञा पूरी करने हेतु तैयार है। उससे बिनती करें और विश्वास से ग्रहण करें! **आपके अंदर एक सच्ची इच्छा होनी चाहिए, जैसे यीशु ने मरकुस 11:24 में कहा:** *"इसलिए मैं तुमसे कहता हूं कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके मांगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे*

लिए हो जाएगा। अब से कुछ मिनिटों बाद, प्रार्थना करते समय, विश्वास करें कि जिस क्षण आपने मांगा है उसी क्षण वह आपको मिल गया है।"

पवित्र आत्मा भाषा देता है, परंतु बोलना आपको है

प्रेरितों के काम 2:4
और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे।

नीचे दी गई प्रार्थना करने के बाद, अपने मुंह को खोलें और जो कुछ मुंह से निकलता है, बोलें। यह आपकी वाणी होगी और आपके वाचिक अंग होंगे जो कार्य करेंगे। पवित्र आत्मा बोलेगा नहीं। बोलना आपको है। वह केवल भाषा देता है।

भाषा ध्वनि से मिलकर बनती है

स्मरण रखें कि कोई भी भाषा में बोलने में मात्र ध्वनि उत्पन्न करना शामिल है। जब ये ध्वनियां बोधगम्य होती हैं और किसी निश्चित क्रम का अनुसरण करती हैं, तब जो कुछ आप कहते हैं उस भाषा में दूसरे उसका अर्थ समझते हैं। अन्य अन्य भाषाओं में हम मनुष्यों की भाषाएं बोलते हैं या स्वर्गदूतों की भाषाएं बोलते हैं। अतः पवित्र आत्मा भाषा देता है (ध्वनि को प्रेरित करता है) और आपको अपने वाचिक अंगों का उपयोग करते हुए उन ध्वनियों को व्यक्त करना है। ये ध्वनि ऐसी भाषा में है जो आपने नहीं सीखी है, आपकी बुद्धि इन ध्वनियों को नहीं समझेगी। आरम्भ में आपको ऐसा लगेगा कि आप कुछ अजीब स्वर उत्पन्न कर रहे हैं।

ये अज्ञात भाषा के शब्द (ध्वनि) हैं। आगे बढ़ें और स्वर दें। जब आप विश्वास से कदम बढ़ाएंगे, तो और शब्द प्रवाहित होने लगेंगे।

एक समय में एक ही भाषा

स्मरण रखें कि आप एक समय में एक ही भाषा बोल सकते हैं। अतः आपकी अपनी ज्ञात भाषा (भाषाओं) में कुछ भी बोलने का प्रयास न करें। तेजी से प्रभु की स्तुति हो या हालेलुय्याह दोहराने का प्रयास न करें। ऐसा करने की

कोई ज़रूरत नहीं है। इससे भाषा के प्रवाह में रुकावट आएगी जो पवित्र आत्मा देना चाहता है। बल्कि, प्रार्थना करने के बाद, विश्वास का कदम बढ़ाएं और नई भाषाओं में बोलने लगें। यीशु ने कहा कि आप ऐसा करेंगे, अतः आप कर सकते हैं!

परमेश्वर आत्मा की मनसा समझता है (सभी भाषाओं में)

परमेश्वर जो आपके हृदय में देखता है, समझता है कि पवित्र आत्मा आपके द्वारा क्या कह रहा है।

रोमियों 8:27
और मनों का जांचनेवाला जानता है कि आत्मा की मनसा क्या है? क्योंकि वह पवित्र लोगों के लिए परमेश्वर की इच्छा के अनुसार बिनती करता है।

इस बात के विषय में चिंतित न हों कि जो कुछ आप बोल रहे हैं उसे आप समझते नहीं। प्रेरित पौलुस ने हमें बताया कि जब हम आत्मा में प्रार्थना करते हैं, तब हमारा आत्मा पवित्र आत्मा से सामर्थ पाकर प्रार्थना करता है, और हमारी समझ काम नहीं करतीः *"इसलिए यदि मैं अन्य भाषा में प्रार्थना करूं, तो मेरी आत्मा प्रार्थना करती है, परंतु मेरी बुद्धि काम नहीं देती"* (1 कुरिन्थियों 14:14)। पवित्र आत्मा आपके द्वारा क्या कह रहा है इसे परमेश्वर समझता है और यही महत्वपूर्ण है।

प्रार्थना

पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में बिनती करने और उसे ग्रहण करने हेतु आपकी सहायता करने के लिए यहां पर एक सरल प्रार्थना दी गई है।

उसके बाद विश्वास का कदम बढ़ाएं और उन भाषाओं में बोलें जो पवित्र आत्मा आपको देता है।

प्रिय प्रभु यीशु, मैं विश्वासी हूं। मैं आपसे बिनती करता हूं कि मुझे पवित्र आत्मा से भर दीजिए ताकि आपके लिए गवाह बनने हेतु मैं सामर्थ पा सकूं। स्वर्गीय पिता, मैं यीशु के नाम में मांगता हूं, अपना आत्मा मुझ पर

उण्डेलिए, जैसी आपने प्रतिज्ञा की कि आप अंतिम दिनों में करेंगे। विश्वास से अब मैं पवित्र आत्मा के सभी वरदानों के साथ पवित्र आत्मा की वर्षा को ग्रहण करता हूं। पवित्र आत्मा अब मुझ पर है और उसके साथ वास करने वाले सभी वरदान मुझमें हैं। धन्यवाद प्रभु यीशु। मैं विश्वासी हूं, अतः मैं नई भाषाओं में बोल सकता हूं जैसे आत्मा मुझे योग्यता देता है। मेरे जीवन के द्वारा आत्मा के अन्य सभी वरदानों के बहाव की मैं अपेक्षा करता हूं। धन्यवाद प्रभु यीशु। पवित्र आत्मा आपका स्वागत है!

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने के बाद, हम आपको प्रोत्साहन देते हैं कि पवित्र आत्मा के सभी वरदानों के विषय में और सीखें, ताकि आप यह सीख सकें कि पवित्र आत्मा के सभी वरदानों को प्रगट करने हेतु आत्मा के अधीन कैसे हो सकते हैं। आप इन वरदानों के द्वारा लोगों की सेवा कर सकते हैं, उन्हें सेवा प्रदान कर सकते हैं। आप सामर्थ के साथ गवाह बनेंगे। यीशु मसीह को महिमा मिलेगी!

5
आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, और आत्मा में चलना

नए नियम में हम विश्वासी के जीवन में पवित्र आत्मा के कार्य के सम्बंध में विभिन्न शब्दों या अभिव्यक्तियों को देखते हैं। हम जिन शब्दों का उपयोग करते हैं उन्हें स्पष्ट करने में सहायता करने हेतु हम इन पर कुछ संक्षिप्त टिप्पणियां प्रस्तुत करेंगे। कृपया ध्यान दें कि यह ऐसे सभी शब्दों का पूर्ण स्पष्टीकरण नहीं है। हमें यह दूसरे पुस्तक के लिए छोड़ना होगा।

ऊपरी कोठरी में 120 लोगों ने जो अनुभव पाया था उसका उल्लेख पवित्र आत्मा के **बपतिस्मे** के रूप में किया गया था (प्रेरितों के काम 1:5)। हम देखते हैं कि वे भी पवित्र आत्मा से **भरपूर** थे (प्रेरितों के काम 2:4)। फिर से सामरिया में प्रेरितों ने प्रार्थना की कि पवित्र आत्मा विश्वासियों पर उतर आए और उन्होंने पवित्र आत्मा को **ग्रहण** किया (प्रेरितों के काम 8:16,17)। उसी तरह हम जानते हैं कि जब पतरस प्रचार कर रहा था, तब कुर्नेलियुस के घर में इकट्ठा हुए लोगों ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया (प्रेरितों के काम 11:15-17)। पवित्र आत्मा उन पर उतर आया और उण्डेला गया (प्रेरितों के काम 10:44,45)। अतः जब विश्वासी पवित्र आत्मा में बपतिस्मा पाते हैं, उस समय वे पवित्र आत्मा से परिपूर्ण भी होते हैं, पवित्र आत्मा उन पर उतर आता है और उन पर उण्डेला जाता है। ये सभी वाक्य उचित हैं जब वे उन बातों का उल्लेख करते हैं जो विश्वासी के पवित्र आत्मा में बपतिस्मा पाते समय घटित होती हैं।

एक बपतिस्मा, कई भरपूरियां

प्रेरितों के कामों की पुस्तक के माध्यम से हम देखते हैं कि जिन विश्वासियों ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया था, उनके विषय में बताया गया है कि वे बारम्बार आत्मा से भरते गए या परिपूर्ण होते गए।

प्रेरितों के काम 4:8
तब पतरस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर उनसे कहा, हे लोगों के सरदारों और पुरनियों ...

प्रेरितों के काम 4:31
जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहां वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा में परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।

प्रेरितों के काम 6:3
इसलिए हे भाइयो, अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें।

प्रेरितों के काम 6:5
यह बात सारी मण्डली को अच्छी लगी, और उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, फिलिप्पुस और प्रुखुरुस और नीकानोर और तीमोन और परमिनास और अन्ताकीवाला नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया।

प्रेरितों के काम 7:55
परंतु उसने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा देखकर...।

प्रेरितों के काम 11:24
क्योंकि वह एक भला मनुष्य था, और पवित्र आत्मा और विश्वास से परिपूर्ण था। और और बहुत से लोग प्रभु में आ मिले।

प्रेरितों के काम 13:9
तब शाऊल ने जिसका नाम पौलुस भी है, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो उसकी ओर टकटकी लगाकर कहा।

प्रेरितों के काम 13:52
और चेले आनन्द से ओर पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होते रहे।

प्रेरित पौलुस अपनी पत्री में पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाए हुए (या पवित्र आत्मा से परिपूर्ण) विश्वासियों को लिखते हुए उन्हें निर्देश देता है कि वे पवित्र आत्मा से भरते जाएं, आत्मा में चलें और जीएं:

इफिसियों 5:18-21

[18] और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।
[19] और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने अपने मन में प्रभु के सामने गाते और कीर्तन करते रहो।
[20] और सदा सब बातों के लिए हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो।
[21] और मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो।

गलातियों 5:16,22-25

[16] परंतु मैं कहता हूं, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।
[22] पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, द्भपा, भलाई, विश्वास,
[23] नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं।
[24] और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है।
[25] यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी।

जब हम पवित्र आत्मा का **बपतिस्मा** पाते हैं हम उसी समय में पवित्र आत्मा से **भर जाते हैं** और **अभिषेक** पाते हैं। आत्मा से परिपूर्ण होना विश्वासी के अंदर पवित्र आत्मा के कार्य के विषय में बोलता है और हम किस प्रकार जीवन बिताते हैं उसे प्रभावित करता है। उसका सम्बंध हमारे चालचलन से, हमारे आचरण से है। अभिषेक पाने का सम्बंध पवित्र आत्मा के कार्य से जो हमें सेवा के लिए सामर्थ देता है, हमारे कार्य को प्रभावित करता है। इस प्रकार पवित्र आत्मा का बपतिस्मा के परिणाम परिपूर्ण होने और अभिषेक पाने से है। बपतिस्मा पाने का अर्थ परिपूर्ण होना और अभिषेक पाना है और फिर भी हम देखते हैं कि इन दोनों को एक अर्थ से सक्रिय रखना है।

आत्मा से भरपूर और आत्मा में चलना और जीना

जैसा हम उपर्युक्त वचनों से देखते हैं कि जब हम पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाते हैं, तब हम पवित्र आत्मा से भर जाते हैं, तौभी हमें निरंतर आत्मा से भरपूर या परिपूर्ण रहने की ज़रूरत है। हमें निरंतर भरते रहने की ज़रूरत

है, बार-बार और बार-बार और बार-बार। यह देह और आत्मा के बीच के निरंतर संघर्ष के कारण है (गलातियों 5:17)। यदि मैं देह को प्रभुता करने देता हूं, तो मैं आत्मा से कम परिपूर्ण हूं, अर्थात, मुझ पर से आत्मा का प्रभाव उस हद तक कम हो गया है या घट गया है। परंतु यदि मैं आत्मा से परिपूर्ण रहता हूं, तो देह अधीन रखी जाती है। जब हम आत्मा से परिपूर्ण जीवन जीते हैं, तो हम वही कर रहे हैं जो प्रेरित पौलुस कहता है जो हमें सिखाता है कि हम आत्मा के चलाए चलें (गलातियों 5:16) या आत्मा में जीएं (गलातियों 5:25)। आत्मा से परिपूर्ण व्यक्ति बुद्धि, विश्वास, धन्यवाद में, प्रभु के गीत गाते हुए, अधीनता में चलते हुए, आत्मा के फल को प्रगट करते हुए (गलातियों 5:22,23), शरीर की पापमय अभिलाषाओं पर जय पाते हुए (गलातियों 5:16,24) जीएगा। आत्मा से परिपूर्ण होने के लिए हमें अपने हृदयों को शुद्ध और स्वतंत्र रखने की ज़रूरत है। 1 यूहन्ना 1:7,9 के अनुसार पाप का अंगीकार करें और तुरंत उसकी शुद्धता प्राप्त करें। जैसे ही आप आहत महसूस करते हैं, वैसे ही क्षमा करें। परमेश्वर के आत्मा को निमंत्रण दें कि वह आपको भर दे। अपना सब कुछ उसे सौंप दें। उसका स्वागत करें। उसकी संगति में रहें। यह आत्मा से सक्रिय रूप से परिपूर्ण रहने में, आत्मा में जीने में और आत्मा में चलने में हमारी सहायता करता है।

अभिषिक्त

जब हम पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाते हैं तब हम आत्मा से अभिषेक भी पाते हैं। अभिषिक्त होने का अर्थ है हम पर आत्मा का होना जो हमें उस कार्य को करने की सामर्थ देगा जो परमेश्वर हमारे द्वारा करना चाहता है (लूका 4:17-19; प्रेरितों के काम 10:38)। हम हर समय स्थितीय रूप से मसीह में अभिषिक्त रहते हैं (2 कुरिन्थियों 1:21)। लेकिन, क्योंकि हम हर समय काम नहीं करते, अतः अभिषेक हर समय सक्रिय नहीं होता। जब कभी पवित्र आत्मा हम पर उतर आता है और उस कार्य को करने हेतु अपनी सामर्थ भेजता है जो वह हमसे करवाना चाहता है, उस समय (उस हर एक बात के लिए अभिषेक होता है जो परमेश्वर आपसे करवाना चाहता है) हम कहते हैं कि हमने अभिषेक पाया है (अभिषेक सक्रिय होता है)। अभिषेक आत्मा की वह सामर्थ है जो विश्वासी के द्वारा प्रगट होती है।

ऐसा समय होता है जब पवित्र आत्मा इसमें पहल करता है। वह हम पर उतर आता है और फिर वह कार्य करना आरम्भ करता है। ऐसा भी समय होता है जब हम कार्य आरम्भ करते हैं और अभिषेक प्रवाहित होने लगता है या कार्य करने लगता है। पवित्र आत्मा के वरदान वे मार्ग (या साधन) हैं जिनके द्वारा पवित्र आत्मा का अभिषेक (सामर्थ) लोगों को सेवा प्रदान करने हेतु प्रगट होता है। अभिषेक के विभिन्न स्तर हैं। ऐसा समय होता है जब हम अन्य समयों की तुलना में अधिक अभिषिक्त होते हैं। **जो सामर्थ प्रगट हुई है उसका प्रमाण उस अभिषेक के अनुपात में होता है जो उस समय** विद्यमान और सक्रिय होती है।

हम लगातार आत्मा से भरते जाते हैं। उसी तरह, जितनी बार हम सेवा करते हैं (उस कार्य को करना जिसे करने हेतु परमेश्वर ने हमें बुलाया है) उतनी बार हमें अभिषेक के अधीन रहना है। इसलिए, इस अर्थ से, हमने एक बार पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पा लिया है, परंतु बार बार भरते जाते हैं और अभिषेक पाते हैं, अनगिनत बार।

ऊपर अभिषेक और अंदर अभिषेक

हमें ऊपर अभिषेक और अंदर अभिषेक के बीच गड़बड़ी नहीं करनी चाहिए। ऊपर अभिषेक है हमारे ऊपर आत्मा जो सेवा के लिए हमें सामर्थ प्रदान करता है। अंदर अभिषेक है हमारे अंदर आत्मा जो हमारे अंदर अपने अधिनिवास के कार्य को पूरा करता है और हमें मसीह की समानता में बदल देता है। यहां पर 1 यूहन्ना 2:20,27 ये वचन विश्वासी के अंदर आत्मा के कार्य का उल्लेख करते हैं (अर्थात, भीतरी अभिषेक)।

1 यूहन्ना 2:20,27

[20] और तुम्हारा तो उस पवित्र से अभिषेक हुआ है, और तुम सब कुछ जानते हो।
[27] और तुम्हारा वह अभिषेक, जो उसकी ओर से किया गया, तुममें बना रहता है; और तुम्हें इसका प्रयोजन नहीं कि कोई तुम्हें सिखाए, वरन् जैसे वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया, तुम्हें सब बातें सिखाता है; और यह सच्चा है, और झूठा नहीं। और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है, वैसे ही तुम उसमें बने रहते हो।

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रगट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकारणीय हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"*** **(रोमियों 6:23)।** यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति

का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह मुफ्त क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी" **(प्रेरितों के काम 10:43)।**

"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा" **(रोमियों 10:9)।**

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धि पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए। आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च (एपीसी) का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

आल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केन्द्रित, आत्मा से भरपूर परिवारिक कलीसिया,** एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधार, संसार में सुसमाचार करने वाली कलीसिया है

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में हम ईश्वरीय अगुवों और आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझोते के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारे वेबसाईट को भेंट दें: **apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें: **contact@apcwo.org**

ऑल पीपल्स चर्च के प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses–Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Speaking in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। पी. डी. एफ., आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में निःशुल्क ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, निःशुल्क ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस परामर्श

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस परामर्श व्यावसायिक तौर प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु समूहों के लिए हैं और जीवन की चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती हैं।

किशोरों
व्यक्तिगत समायोजन
संबंधपरक चुनौतियां
शिक्षा में कम सफलता पाने वाले
कार्य संबंधित मुद्दे
परिवार /दम्पत्तिः विवाह पूर्व, वैवाहिक
माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी
व्यवहार सम्बंधी विकार
व्यक्तित्व विकार
मनोवैज्ञानिक / भावनात्मक समस्याएं
तनाव / आघात
शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल
आत्मिक समस्याएं
ज़िंदगी की सीख

क्रिसलिस परामर्श सेवाओं के लिए शुल्क सस्ती और सुलभ है।

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिए:

Website: chrysalislife.org
Phone: +91-80-25452617 or toll-free (within India) 1-800-300-00998
Email: counselor@chrysalislife.org

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (ब) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (क) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, मसीही अगुवों के लिए सभाओं का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में निःशुल्क वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस का कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

Account Name: All Peoples Church
Account Number: 50200068829058
IFSC Code: HDFC0004367
Bank: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru, 560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें:* **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for
"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

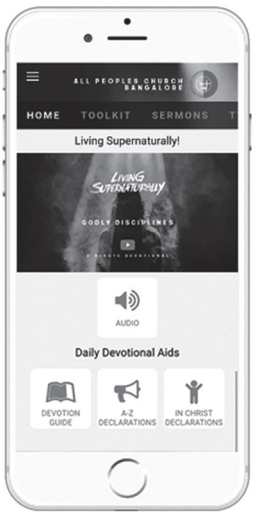

A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र (एपीसी-बीसी) भारत केबैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई केलिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

एपीसी-बीसी में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं:

- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (सी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय डिप्लोमा (डी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय स्नातक (बी.टी.एच.)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक** (UTC+5:30) कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैंपस:** कैंपस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लें
- **ऑनलाइन:** ऑनलाइन लाइव व्याख्यान में भाग लें
- **ई-लर्निंग:** ऑनलाइन पोर्टल apcbiblecollege.org/elearn.

के माध्यम से स्वयं की गति से सीखना ऑनलाइन आवेदन करने केलिए, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के बारे में अधिक जानकारी केलिए, कृपया इस वेबसाइट को भेंट दें: apcbiblecollege.org

कई विश्वासी पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में नहीं जानते जो प्रभु यीशु हमें देने के लिए आया। उचित शिक्षा के अभाव में कुछ विश्वासी पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को शोर, चिल्लाहट, चीखों से और अन्य अजीब बातों से भरी सभा समझते हैं। वे पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के उद्देश्य और सामर्थ को नहीं समझते हैं। वे पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के उद्देश्य और सामर्थ को नही समझते। परमेश्वर के वचन के इस सरल अध्ययन का उद्देश्य हमें यह समझाने में सहायता करना है कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या है, और उसके बाद उसे खुले ग्रहण करने हेतु हमारी अगुवाई करना है। पवित्र आत्मा की सामर्थ को प्रगट करने हेतु यह एक अद्भुत सफर का आरम्भ है। प्रत्येक विश्वासी को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाना चाहिए और उसके बाद पवित्र आत्मा के सभी वरदानों का मार्ग बनने हेतु आगे बढ़ते जाना है, ताकि परमेश्वर की सामर्थ प्रगट हो सके और यीशु की महिमा हो सके!

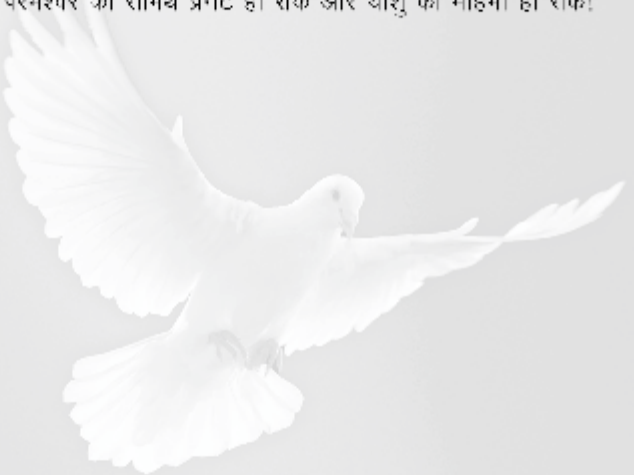

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org